नाशिक | Wednesday, 19 August 2026

लीजेडंरी गायक जुबीन गर्ग का 52 वर्ष की उम्र मे सिंगापुर मे स्कूबा डाइविंग हादसे मे निधन

Sanket Morankar

Published on 19 Sep 2025

भारत के लोकप्रिय और दिग्गज गायक **जुबीन गर्ग (Zubeen Garg)** का 52 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। उनकी मौत का कारण **सिंगापुर मे स्कूबा डाइविंग के दौरान हुआ एक दर्दनाक हादसा** बताया जा रहा है। इस खबर ने पूरे देश और संगीत जगत को गहरे सदमे में डाल दिया है।

जुबीन गर्ग असम के रहने वाले थे और उन्हें न केवल **असमिया संगीत** बल्कि **हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के गीतों** के लिए भी जाना जाता था।

- उन्होंने अपने करियर में **15,000 से अधिक गाने** गाए।
- बॉलीवुड में उनका सबसे प्रसिद्ध गीत रहा – *“Ya Ali”* (फ़िल्म ?????????) जिसने उन्हें राष्ट्रीय पहचान दिलाई।
- वह एक साथ **गायक, संगीतकार, अभिनेता और निर्देशक** भी थे।

सूत्रों के अनुसार, जुबीन गर्ग अपने कुछ दोस्तों के साथ छुट्टियां मनाने **सिंगापुर** गए थे।

- उन्होंने स्कूबा डाइविंग करने का फैसला किया।
- डाइविंग के दौरान अचानक उन्हें **सांस लेने मे तकलीफ़** हुई और वह पानी के अंदर ही बेहोश हो गए।
- तुरंत उन्हें सतह पर लाया गया और नज़दीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें बचा नहीं पाए।

सिंगापुर पुलिस ने इस हादसे की पुष्टि करते हुए कहा कि यह एक **दुर्घटनात्मक मौत (Accidental Death)** है।

जुबीन गर्ग के निधन की खबर सुनते ही **संगीत और फिल्म इंडस्ट्री** में शोक की लहर दौड़ गई।

- असम के मुख्यमंत्री ने उन्हें "**असम का गौरव और सांस्कृतिक धरोहर**" बताया।
- बॉलीवुड के कई दिग्गज गायकों और अभिनेताओं ने सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलि दी।
- गुवाहाटी और पूरे नॉर्थ ईस्ट में प्रशंसकों ने उनके लिए मोमबत्ती जलाकर शोक सभा आयोजित की।
- जुबीन गर्ग को असमिया और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री दोनों में **सुपरस्टार सिंगर** माना जाता था।
- उन्होंने कई बार **राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार** जीते।
- उनका संगीत हमेशा **युवा और दिल छूने वाला** माना गया।

परिवार ने मीडिया से कहा कि यह उनके लिए **अकल्पनीय क्षति** है।
प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर #RIPZubeenGarg ट्रेंड कराया और लिखा –
"**आपकी आवाज़ हमेशा हमारे दिलों मे जिंदा रहेगी।**"

जुबीन गर्ग का निधन भारतीय संगीत जगत के लिए एक **अपूर्णीय क्षति** है। उन्होंने अपने सुरों से न सिर्फ़ असम बल्कि पूरे देश और दुनिया में लाखों दिलों को छुआ।
उनकी आवाज़ और गाने हमेशा भारतीय संगीत प्रेमियों की स्मृतियों में जीवित रहेंगे।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.